

Exam Date 14.10.22

प्रश्न पुस्तिका संख्या /
Question Booklet No.

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16

No. of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150

No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 07

SUBJECT : Sanskrit

LS-22

समय : 3.00 घण्टे

Time: 3.00 Hours

Paper-II

अधिकतम अंक : 300

Maximum Marks: 300

प्रश्न पुस्तिका के पेपर सील/पॉलिथिन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड समान हैं। इसमें कोई भिन्नता हो, तो परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। ऐसा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।

On opening the paper seal/ polythene bag of the Question Booklet the candidate should ensure that Question Booklet Number and Barcode of OMR Answer Sheet must be same. If there is any difference, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है।
6. OMR उत्तर-पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल प्वाइंट पेन से विवरण भरें।
7. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है। किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानी पूर्वक सही भरें। गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर 5 अंक कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN**.
6. The OMR Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. **5 Marks** can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.
10. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature, then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION



80,000+
Mock Tests



**Personalised
Report Card**



**Unlimited
Re-Attempt**



600+
Exam Covered



20,000+ Previous
Year Papers



500%
Refund



ATTEMPT FREE MOCK NOW

1. 'हर्षचरितम्' वर्तते —
 - (1) महाकाव्यम्
 - (2) खण्डकाव्यम्
 - (3) कथा
 - (4) आख्यायिका
2. एषु सुमेलितं नास्ति —
 - (1) अन्नबुभुक्षुः — द्वितीया तत्पुरुषः
 - (2) अश्वघासः — षष्ठी तत्पुरुषः
 - (3) अधर्मजुगुप्सुः — द्वितीया तत्पुरुषः
 - (4) तरंगापत्रस्तः — पंचमी तत्पुरुषः
3. निम्नलिखितासु 'केन्तुम्' इति वर्गे सम्मिलिता भाषा वर्तते —
 - (1) फारसीभाषा
 - (2) संस्कृतभाषा
 - (3) हिन्दीभाषा
 - (4) लैटिनभाषा
4. शिक्षामनोविज्ञानस्य सन्दर्भे अधोलिखितेषु उचितं कथनमस्ति —
 - (1) एतत् एकं विकासशीलं प्रगतिशीलं वा विज्ञानमस्ति।
 - (2) एतत् सामान्यमनोविज्ञानस्य सर्वतथ्य सिद्धान्तान् अन्वीक्ष्य एव स्वीकरोति।
 - (3) अस्य क्षेत्रं सामान्य मनोविज्ञानात् विस्तृततरमस्ति।
 - (4) एतत्, बालकस्य यं व्यवहारं भवितव्यं, तस्य अध्ययनं करोति।
5. पा धातोः 'पिबतम्' इति रूपं कस्मिन् लकारे भवति?
 - (1) लृटलकारे
 - (2) लोटलकारे
 - (3) लङलकारे
 - (4) विधिलिङलकारे
6. प्रत्यय — दृष्ट्या असंगतं विकल्पमस्ति —
 - (1) पचतितराम्, प्रशस्यतरः, आद्यतरः — तरप्
 - (2) क्षेपिष्ठः, यविष्ठः, पटिष्ठः — इष्ठन्
 - (3) मतियान्, अणियान्, पठियान् — ईयसुन्
 - (4) ककुत्मान्, किंवन्, शंवान् — मतुप्
7. नाट्यमण्डपस्य वेदिकारक्षणे ब्रह्मणा नियुक्तः —
 - (1) मित्रः
 - (2) वरुणः
 - (3) अग्निः
 - (4) आदित्यः
8. रामायणकाण्डानुसारकथानक — दृष्ट्या किमनुचितं वर्तते —
 - (1) बालकाण्डः — 77 सर्गाः, रामः बला-अतिबला विद्यां प्राप्नोति।
 - (2) किष्किन्धाकाण्डः — 67 सर्गाः, पंपासरोवरवर्णनम्।
 - (3) सुन्दरकाण्डः — 68 सर्गाः, सागरसेतुबंधनम्।
 - (4) उत्तरकाण्डः — 111 सर्गाः, पौराणिक-आख्यायानि।
9. अधोलिखितेषु कस्याम् अवस्थायां 'अन्वेषण प्रशिक्षण मॉडल' अन्तर्गते 'सिनटेक्स' इत्यस्य प्रासंगिकचराणां पृथक्करणं तथा च सम्बन्धहेतोः परिकल्पनाः क्रियते —
 - (1) समस्यानामुखीकरणम्
 - (2) व्यवस्थिकरणम् स्पष्टीकरणनिर्माणं च
 - (3) अन्वेषण प्रक्रियायाः विश्लेषणम्
 - (4) गणनायाः (आंकड़ा) एकत्रीकरणम् — प्रयोगम्
10. व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवन्, भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः। अस्मिन् पदे किं छन्दः —
 - (1) वंशस्थः
 - (2) द्रुतविलम्बितम्
 - (3) वसन्ततिलका
 - (4) मन्दाक्रान्ता
11. 'न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्।' इत्यस्मिन् वाक्ये 'खलु' अव्ययस्य प्रयोगः कस्मिन्नर्थे कृतम् —
 - (1) अनुनयार्थे
 - (2) निश्चयार्थे
 - (3) हत्वर्थे
 - (4) निषेधार्थे

12. 'इदम्' शब्दस्य पुल्लिङ्ग प्रथमा-बहुवचने रूपं स्यात् -
 (1) इमानि (2) इमे
 (3) इमाः (4) इमान्
13. जातिविशिष्टव्यक्तौ संकेतग्रहं के मन्यन्ते?
 (1) मीमांसकाः (2) नैयायिकाः
 (3) वैयाकरणाः (4) बौद्धाः
14. माणवकं पन्थानं पृच्छति - रेखांकितपदस्य कर्मसंज्ञा-विधायकं सूत्रमस्ति -
 (1) अकथितञ्च (2) कर्मणिद्वितीया
 (3) कर्तुरीप्सिततमम् (4) तथायुक्तं चानीप्सितम्
15. प्रत्यय-दृष्ट्या सुमेलितं विकल्पं वर्तते -
 (1) ग्लेयम्, शक्यम्, तक्यम् - यत् (2) वृत्यम्, खेयम्, कृत्यम् - यत्
 (3) दृश्यम्, वृत्यम्, वृध्यम् - ण्यत् (4) विसृज्य, विगण्य, विरम्य - क्यप्
16. निम्नलिखितेषु कः संप्रत्ययः 'जीन पिपाजे' इत्यस्य संज्ञानात्मक-विकासेन संबद्धः नास्ति -
 (1) स्कीमा (2) आत्मसातकरणम्
 (3) समाविष्टीकरणम् (4) सामान्यीकरणम्
17. सांख्यदर्शने कतिविकाराः, के च ते?
 (1) सप्तविकाराः पंचमहाभूतः मन बुद्धिश्च।
 (2) पंचविकाराः पंचतन्मात्राणि।
 (3) षड्विकाराः पंचतन्मात्राणि अहंकारश्च।
 (4) षोडशकस्तुविकाराः पंचमहाभूतः एकादशेन्द्रियाणि च।
18. अधोलिखितेषु वाक्येषु शुद्धं वाक्यं चिन्वन्तु -
 (1) भक्तिः ज्ञानात् कल्पते। (2) मुक्तये हरिः भजति।
 (3) पुष्पेषु स्पृहयति। (4) क्रोशेन अनुवाकोऽधीतः।
19. तर्कभाषानुसारेण संज्ञासंज्ञिसम्बन्ध प्रतीतिः कथ्यते -
 (1) उपमितिः (2) अनुमितिः
 (3) अयुतसिद्धिः (4) सन्निधिः
20. 'इत्थम्भूतलक्षणे' इत्यस्योदाहरणं वर्तते -
 (1) पुत्रेण हर्षः (2) साधु भवानास्ताम्
 (3) आकृत्या शूरः (4) सुखेन याति
21. 'लभन्ताम्' पदे कः लकारः अस्ति?
 (1) लट् (2) लोट्
 (3) लृट् (4) विधिलिङ्
22. 'वधूः' इति रूपं भवति -
 (1) केवलं प्रथमा-एकवचने (2) केवलं द्वितीया-बहुवचने
 (3) द्वितीया-एकवचने बहुवचने च (4) प्रथमा-एकवचने द्वितीया बहुवचने च
23. याज्ञवल्क्यस्मृतेः आचाराध्यायसन्दर्भे समुचितं कथनं वर्तते -
 (1) आचाराध्याये दशप्रकरणानि सन्ति। (2) आचाराध्याये त्रयोदशप्रकरणानि सन्ति।
 (3) आचाराध्याये त्रीणिप्रकरणानि सन्ति। (4) आचाराध्याये पञ्चप्रकरणानि सन्ति।
24. 'गुरोराज्ञा' इत्यस्य सन्धिविच्छेदः निर्णयः -
 (1) गुरु + आज्ञा (2) गुरो + आज्ञा
 (3) गुरुः + आज्ञा (4) गुरोः + आज्ञा

25. विश्वनाथानुसारं रसो वर्तते –
 (1) ज्ञाप्यः (2) नित्यः
 (3) कार्यः (4) अलौकिकः
26. एषु विकल्पेषु असंगतं विकल्पं चिन्वन्तु –
 (1) अग्निरव्यवहिता हलः = संयोग-सञ्ज्ञा
 (2) वर्णानामतिशयितः सन्निधिः = संहिता सञ्ज्ञा
 (3) मुख-सहित-नासिकयोच्चार्यमाणो वर्णः = अनुनासिकसंज्ञः
 (4) अप्रसक्तस्यादर्शनं = लोपसंज्ञः
27. ध्वन्यालोकानुसारेण कोऽर्थः प्रमदालावण्यवद् विभाति?
 (1) प्रतीयमानार्थः (2) तात्पर्यार्थः
 (3) लक्ष्यार्थः (4) मुख्यार्थः
28. संधि-दृष्ट्या अनुचितं सुमेलनं वर्तते –
 (1) खादन्नपि – डमो ह्रस्वादयि डमुँणित्यम् (2) जगच्छान्तिः – शश्छोऽटि
 (3) वणिग्घस्ती – झलां जशोऽन्ते (4) भुङ्क्ते – अनुस्वारस्य ययि पर-सवर्णः
29. मधु (शहद) इत्यस्य प्रथमा-विभक्ति-बहुवचनं रूपमस्ति –
 (1) मधुनी (2) मधुनि
 (3) मधूनि (4) मधुनाः
30. "शश्छोऽटि" इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणम् अस्ति –
 (1) तच्छरीरम् (2) आच्छादयति
 (3) शिवच्छाया (4) स्वच्छन्दः
31. 'अयं स रशानोत्कर्षी पीनस्तनविमर्दनः।
 नाभ्यूरुजघनस्पर्शी नीवीविम्रंसनः करः।।' इत्युदाहरणमस्ति –
 (1) अपराङ्गगुणीभूतव्यंग्यस्य (2) अस्फुटगुणीभूतव्यंग्यस्य
 (3) तुल्यप्राधान्यगुणीभूतव्यंग्यस्य (4) असुन्दरगुणीभूतव्यंग्यस्य
32. अधिकरणे अभिव्यापकस्याधारस्य उदाहरणं वर्तते –
 (1) मोक्षे इच्छास्ति। (2) सत्सु तिष्ठत्सु असन्तस्तरन्ति।
 (3) सर्वस्मिन् आत्माऽस्ति। (4) रामः कटे आस्ते।
33. 'उच्छलद् भूरि कीलालः शुशुभे वाहिनीपतिः' इत्यत्र कः अलंकारः अस्ति?
 (1) श्लेषः (2) व्यतिरेक
 (3) दीपकः (4) समासोक्तिः
34. स्वरसंधि-दृष्ट्या एषु किमसंगतं वर्तते –
 (1) भात्यम्बरे, खल्वेहि, लनुबन्धः – यण् संधिः (2) उत्तमर्णः, सततोद्यम, ममल्कारः – गुणसंधिः
 (3) पञ्चैते, ज्ञातौषधिः, प्रष्ठौहः – वृद्धिसंधिः (4) पपावसाविह, बालावत्र, तुल्यास्त्र – दीर्घसंधिः
35. अधोलिखितेषु का एकादशाक्षरावृत्तिः नास्ति?
 (1) उपेन्द्रवज्रा (2) रथोद्धता
 (3) शालिनी (4) वंशस्थम्

36. समास-दृष्ट्या असंगतं विकल्पं चिन्वन्तु -

- | | |
|----------------------------|------------------------------|
| (1) नवावतारः - कर्मधारयः | (2) अनुवनान्तम् - अव्ययीभावः |
| (3) उत्काकुत् - बहुव्रीहिः | (4) नैकः - नञ् तत्पुरुषः |

37. 'अङ्गिरः' इति सम्बोधनमस्ति -

- | | |
|---------------|-------------|
| (1) इन्द्रस्य | (2) विष्णोः |
| (3) प्रजापतेः | (4) अग्नेः |

38. 'षण्मुखः' इत्यस्य पदस्य सन्धिनाम किमस्ति?

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) षट्त्व | (2) जश्त्व |
| (3) अनुनासिक | (4) श्चुत्व |

39. निम्नलिखितेषु कः कक्षायां सहयोगिनमधिगमप्रयोगे बाधको नास्ति -

- | | |
|-----------------------------|---------------------------|
| (1) विद्यार्थिनां प्रतिरोधः | (2) अभिभावकानां प्रतिरोधः |
| (3) अध्यापकस्य प्रतिरोधः | (4) प्राधिकरणानां सहयोगः |

40. 'समानेन वो हविषा जुहोमि' इति मन्त्रांशः प्राप्यते -

- | | |
|------------------|-------------------|
| (1) अग्निसूक्ते | (2) संज्ञानसूक्ते |
| (3) विष्णुसूक्ते | (4) पुरुषसूक्ते |

41. एषु कतमा विशेषता निर्मितवादी/रचनावादी कक्षा-कक्षस्य नास्ति -

- | |
|---|
| (1) अधिगमः अन्तः क्रियात्मकं भवति, विद्यार्थी यत्किमपि जानाति, तस्याधारेणैव तस्य निर्माणं भवति। |
| (2) विद्यार्थी केन्द्रितः। |
| (3) एका निश्चिता पाठ्यचर्या एव मान्या भवति, तस्यैव सम्यक्तया पालनं भवति। |
| (4) अध्यापकस्य भूमिका अन्तः क्रियात्मकं भवति। |

42. महाकवीनां नाम्ना सह तेषां उपनाम सुमेलयत -

- | | |
|--------------|--------------|
| (A) कालिदासः | (P) घण्टा |
| (B) भारविः | (Q) तुरङ्गः |
| (C) माघः | (R) आतपत्रम् |
| (D) बाणः | (S) दीपशिखा |

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (1) AQ, BP, CR, DS | (2) AS, BR, CP, DQ |
| (3) AQ, BP, CS, DR | (4) AS, BP, CQ, DR |

43. असमीचीनं युग्मं विचिनुत -

- | वृत्तनाम | प्रतिचरणं वर्णाः |
|---------------------|------------------|
| (1) भुजङ्गप्रयातम् | - द्वादशवर्णाः |
| (2) उपजाति | - द्वादशवर्णाः |
| (3) द्रुतविलम्बितम् | - द्वादशवर्णाः |
| (4) मालिनी | - पञ्चदशवर्णाः |

44. असमीचीनं युग्मं विचिनुत -

- | | |
|--|--|
| (1) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः - रमायै पुष्पं रोचते। | (2) यतश्च निर्धारणम् - छात्रेषु रमेशः श्रेष्ठः। |
| (3) भुवः प्रभवः - हिमवतो गङ्गा प्रभवति। | (4) जनिकर्तुः प्रकृतिः - ब्रह्मणा प्रजाः प्रजायन्ते। |

45. निम्नलिखितायाः शिक्षणाधिगमसामग्रयाः सूच्याः तस्य प्रकारेण सह मेलनं करणीयम् —

	सूची I (सामग्रीः)		सूची II (प्रकारः)
(अ)	नक्शा	(i)	अप्रक्षेपीय त्रि-आयामी
(ब)	ओ.एच.पी.	(ii)	दृश्यः
(स)	मॉडल	(iii)	प्रक्षेपीयं परं स्थिरम्
(द)	रिपोर्ट	(iv)	अप्रक्षेपीय द्वि-आयामी

	अ	ब	स	द
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

46. अधोलिखितेषु उचिताव्ययप्रयोगेण पंक्तिं पूरयन्तु —

- (अ) भस्मीभूतस्य देहस्य आगमनं कुतः ।
 (ब) गच्छत्युपरि च दशा चक्रनेमिक्रमेण ।
 (स) विद्धीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।
 (द) दुर्भगाभरणप्रायो ज्ञानं भारः क्रियां ।

	अ	ब	स	द
(1)	सहसा	विना	पुनः	नीचैः
(2)	पुनः	नीचैः	विना	सहसा
(3)	पुनः	नीचैः	सहसा	विना
(4)	सहसा	पुनः	विना	नीचैः

47. “एषा तेऽभिहिता सांख्ये..... ।” भगवद्गीतायाः अस्यां पंक्तौ ‘सांख्ये’ इति शब्दस्यार्थः अस्ति —

- (1) कर्मयोगे (2) भक्तियोगे
 (3) ज्ञानयोगे (4) समत्वयोगे

48. एषु कृतमदधिगमसिद्धान्तानुसारेण विद्यार्थिनां भूमिकां, सूचनानां निष्क्रियाधिग्रहणकर्ता, सक्रियश्रोता तथा च निर्देशपालनकर्ता रूपे परिभाषितं कृतमस्ति —

- (1) व्यावहारिकाधिगमसिद्धान्तः (2) संज्ञानात्मक-सूचनाप्रसंस्करणम्
 (3) सामाजिकनिर्मितवादसिद्धान्तः (4) सामाजिकसंज्ञानात्मकसिद्धान्तः

49. असंगतं कथनं चिन्वन्तु —

- (1) कविक्रतुः, घृतपृष्ठ, नाराशंस — अग्निः
 (2) कर्मक्रतुः, प्रचेताः, पवमानः — वरुणः
 (3) कुचरः, उरुगायः, त्रिविक्रमः — विष्णुः
 (4) सहस्रपात्, अमृतत्वप्रदाता, सहस्रशीर्षाः — पुरुषः

50. निम्नांकित वाक्येषु अशुद्धं वाक्यं विचिनुत —

- (1) इन्द्राय वषट् । (2) वृक्षात् पत्रं पतति ।
 (3) गाण्डीवं संस्रते हस्तेन । (4) नमस्करोति देवान् ।

51. 'न जाने भोक्तां कमिह समुपस्थास्यति विधिः' रेखांकितपदस्य विश्लेषणं स्यात् -
 (1) भुज् + तृच् + द्वितीया विभक्ति - एकवचनम् - स्त्रीलिंगः।
 (2) भुज् + तृच् + द्वितीया विभक्ति - एकवचनम् - पुल्लिंगः।
 (3) भुज् + क्त + द्वितीया विभक्ति - एकवचनम् - पुल्लिंगः।
 (4) भुज् + क्त + द्वितीया विभक्ति - एकवचनम् - स्त्रीलिंगः।
52. किशोरावस्थायां शारीरिकविकासप्रारूपे शिरः शरीरस्य अनुपाते
 (1) क्षीयते (2) वर्धते
 (3) समानं तिष्ठति (4) पूर्वं वर्धते पश्चात् क्षीयते.
53. गन्ता अस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति -
 (1) क्त (2) तृच्
 (3) तल् (4) क्तवतु
54. निम्नांकितेषु युग्मेषु असमीचीनं युग्मं विचिनुत -
 (1) कृत्वा - अधिकृत्य (2) कृष्ट्वा - आकृष्य
 (3) क्रीत्वा - विकीर्य (4) क्रान्त्वा - संक्रम्य
55. 'शकन्धादिषु पररूपं वाच्यम्' इत्यस्य वार्तिकस्योदाहरणं नास्ति -
 (1) कुलटा (2) हलीषा
 (3) सीमान्तः (4) पतञ्जलिः
56. कस्माद् अधिपूरुष अजायत?
 (1) मनसः (2) विराजः
 (3) मुखात् (4) प्राणात्
57. 'लेखः' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययो विद्यते -
 (1) अच् (2) घञ्
 (3) क्त (4) कः
58. 'अपौरुषेयं वाक्यं वेदः' इति केन प्रोक्तम्?
 (1) सायणेन (2) महीधरेण
 (3) कैयटेन (4) उत्वटेन
59. तर्कभाषानुसारं तन्तुरूपं पटरूपस्य कारणमस्ति -
 (1) समवायिकारणम् (2) असमवायिकारणम्
 (3) निमित्तकारणम् (4) उपर्युक्तेषु त्रयमपि न
60. संवेगात्मकबुद्धिविकासाय, वातावरणनिर्माणाय एतासु काः रणनीतयः सर्वाधिक्यः प्रभावशालिन्यः सन्ति -
 (अ) बालकान् समूहकार्यार्थं प्रोत्साहितव्याः।
 (ब) बालकानां संप्रेषणकौशलविकासाय सहाय्यं करणीयम्।
 (स) बालकेभ्यः क्रीडनाय सामूहिकक्रीडा देया।
 उपर्युक्तेषु विकल्पेषु आधारे सम्यक् विकल्पं स्यात् -
 (1) अ, स (2) ब, स
 (3) केवलं 'ब' (4) अ, ब, स

61. रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः सरोभि-
श्छायाद्रुमैर्नियमिताकर्मयूखतापः।
भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः
शान्तानुकूल पवनः शिवश्च पन्थाः।।
पदेऽस्मिन् कोऽलंकारः -
(1) रूपकम् (2) संमासोक्तिः
(3) निदर्शना (4) तुल्ययोगिता
62. वकारस्य उच्चारणस्थानं किम्?
(1) दन्तोष्ठम् (2) कण्ठतालु
(3) कण्ठोष्ठम् (4) ओष्ठम्
63. काव्य प्रकाशानुसारेण सकलप्रयोजन मौलिभूतं काव्य प्रयोजनं किमस्ति?
(1) उपदेशयुजे (2) अर्थकृते
(3) व्यवहारविदे (4) सद्यः परनिर्वृत्तये
64. नैतिकमूल्यानामधिष्ठातृदेवतारूपेण प्रसिद्धोऽस्ति -
(1) इन्द्रः (2) वरुणः
(3) अग्निः (4) विष्णुः
65. मातृशब्दस्य षष्ठीद्विवचने रूपं भवति -
(1) मातरयोः (2) मातरोः
(3) मात्रोः (4) मात्रयोः
66. 'तदेषा भवतः कान्ता त्यज वैनां गृहाण वा।
उपपन्ना हि दारेषु प्रभुता सर्वतोमुखी।।' इति कथन मस्ति -
(1) शार्ङ्गरवस्य (2) शारद्वतस्य
(3) गौतम्याः (4) कश्यपस्य
67. ध्वन्यालोकानुसारम् अविवक्षितवाच्यध्वनिर्भवति -
(1) द्विविधः (2) त्रिविधः
(3) चतुर्विधः (4) पञ्चविधः
68. 'हुहोति' इत्यस्य 'जुहोति' रूपे ध्वनि परिवर्तनं कः संशोधितवान्?
(1) ग्रिमः (2) ग्रासमानः
(3) वर्नरः (4) तालव्यः
69. विसर्जनीयस्य सः कदा भवति?
(1) शरि परे (2) खरि परे
(3) अच् परे (4) झरि परे
70. निम्नलिखितेषु पदेषु क्त प्रत्यययुक्तं पदं नास्ति -
(1) कीर्णः (2) पातः
(3) ऊढः (4) जग्धः
71. "चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः।" 'स्वप्नवासवदत्तम्' इति नाटकस्य इयं सूक्तिः कः कं प्रति कथयति?
(1) विदूषकः उदयनं प्रति (2) कांचुकीयः पद्मावतीं प्रति
(3) यौगन्धरायणः वासवदत्तां प्रति (4) ब्रह्मचारी यौगन्धरायणं प्रति

72. 'जगत्' शब्दस्य सप्तमीएकवचने रूपमस्ति —
 (1) जगतौ (2) जगते
 (3) जगति (4) जगत्याम्
73. सांख्यकारिकानुसारेण पुरुषतत्त्वस्य सत्ता कस्मादस्ति —
 (1) भेदानां परिमाणात् (2) संघातपरार्थत्वात्
 (3) कारण-कार्य विभागात् (4) शक्तस्य शक्यकरणात्
74. एषु कतमन्नाम थॉर्नडाइकेन प्रदत्तं अधिगमसिद्धान्तस्य अपर नाम नास्ति —
 (1) उद्दीपक-अनुक्रियायाः सिद्धान्तः (2) प्रतिबिम्बसिद्धान्तः
 (3) सम्बन्धवादसिद्धान्तः (4) प्रयासत्रुटयोः सिद्धान्तः
75. शुकनासोपदेशानुसारेण लक्ष्मीः स्वरूपवर्णनसंदर्भे अनुचितं कथनमस्ति —
 (1) लक्ष्मीः क्षीरसागरात्पारिजात पल्लवेभ्यो रागं गृहीतवती ।
 (2) कौस्तुभमणेरैष्टुर्यं गृहीतवती ।
 (3) कालकूटात् चञ्चलतां गृहीतवती ।
 (4) इन्दुशकलादेकान्तवक्रतां गृहीतवती ।
76. कारक-दृष्ट्या शुद्धं वाक्यं स्यात् —
 (1) गृहे नाधितिष्ठन्ति यतयः । (2) न चान्तरेण नावं तरीतुं शक्येयं सरित् ।
 (3) रामः पुष्पेषु स्पृहयति । (4) मातरि निलीयते कृष्णः ।
77. 'विधुरपि विधियोगाद् ग्रस्यते राहुणाऽसौ' इत्यत्र 'राहुणा' इति पदे तृतीयाविभक्तिर्जाता —
 (1) 'साधकतमं करणम्' इति सूत्रेण । (2) 'अपवर्गे तृतीया' इति सूत्रेण ।
 (3) 'कर्तृकरणयोस्तृतीया' इति सूत्रेण । (4) 'सहयुक्तेऽप्रधाने' इति सूत्रेण ।
78. 'अस्' धातोः विधिलिङ्लकारे मध्यमपुरुषैकवचनस्य रूपं वर्तते —
 (1) असि (2) एधि
 (3) आसीः (4) स्याः
79. 'संस्कृत कवियों को नमस्कार' वाक्यस्यास्य शुद्धानुवादः अस्ति —
 (1) नमः संस्कृतकविभ्यः । (2) नमः संस्कृतकवीन् ।
 (3) नमः संस्कृतकविभिः । (4) नमः संस्कृतकवीनाम् ।
80. 'एष विष्णुः' इत्यस्मिन् पदे प्रयुक्तं सूत्रमस्ति —
 (1) द्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः (2) भो भगो अघो अपूर्वस्य योऽशि
 (3) डभोः ह्रस्वादचि डमुण् नित्यम् (4) एतत्तदोः सुलोपोऽकोरनञ्समासे हलि
81. यत्न-दृष्ट्या एषु किमनुचितमस्ति —
 (1) स्पृष्टं प्रयतनं स्पर्शानाम् । (2) विवृतं स्वराणाम् ।
 (3) ईषद्विवृतमन्तः स्थानम् । (4) ह्रस्वस्यावर्णस्य प्रयोगे संवृतम् ।
82. महाभारते सन्दर्भ एकं कथनमसंगतं वर्तते, तं चिन्वन्तु —
 (1) सभापर्वणि — द्यूतक्रीडायाः प्रसंगः ।
 (2) महाभारतस्य मूलरूपं — जयकाव्यम् अस्ति ।
 (3) शकुन्तलोपाख्यानं महाभारतस्य 'वनपर्वणि' वर्तते ।
 (4) माघरचित शिशुपालवधस्य मूलकथा महाभारताश्रिता वर्तते ।
83. का सूक्तिः किरातार्जुनीयमहाकाव्ये न प्राप्यते?
 (1) न सौष्टवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चतार्थामिति वाचमाददे ।
 (2) न वञ्चनीया प्रभवोऽनुजीविभिः ।
 (3) न रत्नमन्विष्यति मृग्यते हि तत् ।
 (4) न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम् ।

84. 'ज्ञा' धातोः लङ्लकारे प्रथमपुरुष-बहुवचने रूपं भवति —
 (1) अजानाः (2) अजानन्
 (3) अजानीत (4) अज्ञानन्
85. एकः विद्यार्थी संगणके निजाधिगमः योग्यतानां विशेषतानां चानुसारेण अधिगमकार्यक्रमस्य चयनं करोति। संगणकसहायकाधिगमसिद्धान्तस्य एषः उपयोगः निहितमस्ति —
 (1) स्व-प्रभावकारितायाम् (2) स्व-निर्देशने
 (3) स्व-नियंत्रणे (4) स्व-व्याख्यायाम्
86. "अधरः किसलयरागः कोमलविटपानुकारिणौ बाहू।
 कुसुममिव लोभनीयं यौवनमंगेषु सन्नद्धम्॥"
 इत्यस्मिन् पद्ये छन्दो वर्तते —
 (1) अनुष्टुप् (2) इन्द्रवज्रा
 (3) आर्या (4) उपेन्द्रवज्रा
87. अग्निविद्या-विवेचकः उपनिषद् ग्रन्थः अस्ति —
 (1) ईशावास्योपनिषद् (2) प्रश्नोपनिषद्
 (3) कठोपनिषद् (4) केनोपनिषद्
88. शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य।
 अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र॥
 इत्यत्र कोऽलंकारः —
 (1) श्लेषः (2) उपमा
 (3) अर्थान्तरन्यासः (4) दृष्टान्तः
89. 'न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यः' इति वचनमाह —
 (1) वाजश्रवा (2) नचिकेता
 (3) यमः (4) श्रीकृष्णः
90. एषु कतमत्कथनं शिक्षा मनोविज्ञानस्य कार्यैः संबद्धमस्ति —
 (अ) अधिगमकर्तृज्ञानम्
 (ब) आत्माभिज्ञानम् (शिक्षकाय)
 (स) कक्षा-समस्यायाः समाधानम्
 एषु सर्वाधिकोपयुक्तं विकल्पं चिन्वन्तु —
 (1) अ, ब (2) ब, स
 (3) अ, स (4) अ, ब, स
91. 'अन्तः + राष्ट्रियः' इत्यस्य सन्धिपदं निर्णयम् —
 (1) अन्तर्राष्ट्रियः (2) आन्ताराष्ट्रियः
 (3) अन्ताराष्ट्रियः (4) अन्तर्राष्ट्रीयः
92. उदयति विततोर्ध्वरश्मिरज्जावहिमरुचौ हिमधाम्नि याति चास्तम्।
 वहति गिरिरयं विलम्बिघण्टाद्वय-परिवारितवारणेन्द्रलीलाम्॥
 इत्यस्मिन् कोऽलंकारः?
 (1) उपमा (2) निदर्शना
 (3) तुल्ययोगिता (4) दीपक

93. सोपसर्गयोः क्रुधद्रुहोर्योगे यं प्रति कोपस्तत्कारकं भवति —

- (1) कर्तृसंज्ञम् (2) कर्मसंज्ञम्
(3) करणसंज्ञम् (4) सम्प्रदानसंज्ञम्

94. का सूक्तिः कुमारसंभवे न प्राप्यते?

- (1) अस्य स्निग्धस्य वर्णस्य विपत्तिः दारुणां कथम्। (2) क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विद्यन्ते।
(3) शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्। (4) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।

95. 'हशि च' इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणं नास्ति —

- (1) बुधो लिखति (2) शान्तो अनलः
(3) नरो गच्छति (4) भक्तो नमतीश्वरम्

96. 'निद्रा सम्प्रति न युज्यते' इत्येतस्य समस्तपदं स्यात् —

- (1) अनिद्रम् (2) अतिनिद्रम्
(3) अनुनिद्रम् (4) निर्निद्रम्

97. 'अतो रोरप्लुतादप्लुते' इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणं वर्तते —

- (1) कोऽयम् (2) लोकेऽस्मिन्
(3) रामो वदति (4) विष्णोऽव

98. निम्नांकितानां संज्ञानात्मक विकासस्य अवस्थानां तासां विशेषताभिः सह मेलनं कर्तव्यम् —

सूची I

अवस्था:

- (अ) संवेदनात्मक—गामकः
(ब) पूर्व—संक्रियात्मकः
(स) मूर्त—संक्रिया
(द) औपचारिक संक्रिया

सूची II

विशेषता:

- (i) अमूर्त—अवधारणा
(ii) प्रतीकात्मक—विचारः
(iii) प्रचालनात्मकः विचारः
(iv) वस्तु—स्थायित्वम्

	अ	ब	स	द
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

99. आकृतिमूलकवर्गीकरणे संस्कृतभाषा वर्तते —

- (1) संयोगात्मक — बहिर्मुखी (2) वियोगात्मक — बहिर्मुखी
(3) वियोगात्मक — अन्तर्मुखी (4) संयोगात्मक — अन्तर्मुखी

100. गेस्टाल्टसिद्धान्तानुसारेण अस्माकं ध्यानं केन्द्रितं भवितव्यम् —

- (अ) समस्या समाधानविधौ
(ब) ह्युरीस्टिकविधौ
(स) रटनशिक्षणं निरस्तीकरणे
(द) एकीकृतोपागमे

एषु विकल्पेषु आधारे उचितविकल्पं चिन्वन्तु —

- (1) अ, ब (2) ब, स
(3) अ, ब, स (4) अ, ब, स, द

101. 'अस्मद्' शब्दस्य द्वितीया-बहुवचने रूपम् अस्ति -
 (1) अस्मभ्यम् (2) वयम्
 (3) अस्मान् (4) अस्माकम्
102. नैतिकं परिप्रेक्ष्यं यत् जनानां मध्ये संयोजन-संबन्धभावेषु केन्द्रितमस्ति - सः कथ्यते -
 (1) परिरक्षणं (देखभाल) परिप्रेक्ष्यः (2) न्यायः परिप्रेक्ष्यः
 (3) व्यक्तिगतपरिप्रेक्ष्यः (4) नीतिशास्त्रीयपरिप्रेक्ष्यः
103. तर्कभाषानुसारेण एकं कथनमसत्यं वर्तते, तं चिन्वन्तु -
 (1) इन्द्रियार्थसन्निकर्षः षड्विधः।
 (2) परार्थानुमानस्य पञ्चावयवाः-प्रतिज्ञा-हेतु-उदाहरण-उपनय-निगमनाश्च।
 (3) आश्रयेसिद्धः स्वरूपासिद्धः व्याप्यत्वासिद्धः एते विरुद्ध-हेत्वाभासस्य भेदाः सन्ति।
 (4) यत्समवेतं कार्यमुत्पद्यते तत्समवायिकारणम्।
104. अधोलिखितेषु 'इको यणचि' इति सूत्रस्य उदाहरणमस्ति -
 (1) वटवृक्षः (2) पवनः
 (3) शंकव्यः (4) लाकृतिः
105. 'भवत्' शब्दस्य 'भवतः' इति रूपं कस्यां विभक्तौ न भवति?
 (1) द्वितीया विभक्तौ (2) पञ्चमी विभक्तौ
 (3) षष्ठी विभक्तौ (4) सप्तमी विभक्तौ
106. 'देवास् + इह' इत्यस्य सन्धियुक्तं रूपं भवति -
 (1) देवाः इह (2) देवेह
 (3) देवायिह (4) देवासिह
107. समस्तपदं समासनाम्ना सह सुमेलयत -
 (A) रामलक्ष्मणौ (P) बहुव्रीहिः
 (B) शूलपाणिः (Q) द्विगुः
 (C) घनश्यामः (R) कर्मधारय
 (D) सप्तशती (S) द्वन्द्वः
 (1) AP, BQ, CR, DS (2) AS, BP, CR, DQ
 (3) AQ, BP, CS, DR (4) AS, BR, CP, DQ
108. 'राम के वन जाने पर दशरथ दिवंगत हो गए।' उपर्युक्तवाक्यस्य शुद्धानुवादः स्यात् -
 (1) रामस्य वनं गते दशरथः दिवंगतः। (2) रामे वनं गते दशरथः दिवंगतः।
 (3) रामः यदा वने गतवान् तदा दशरथः दिवंगतः। (4) रामस्य वने गच्छतात् दशरथः दिवंगतः।
109. रूपकभेदेषु 'मृच्छकटिकम्' वर्तते -
 (1) नाटकम् (2) प्रकरणम्
 (3) डिमः (4) प्रहसनम्
110. "वाच्यव्यतिरिक्तस्थार्थस्य वाच्यवाचकाभ्यां तात्पर्येण प्रकाशनं यत्र व्यङ्गप्राधान्ये सः ध्वनि" इत्यत्र कस्य मतस्य निराकरणं कृतमानन्दवर्द्धनेन?
 (1) अभाववादीनाम् (2) भाक्तवादीनाम्
 (3) अनिर्वचनीयवादीनाम् (4) अलक्षणीयवादीनाम्
111. 'नदी' इत्यत्र प्रकृतिप्रत्ययौ निर्णयौ -
 (1) नदीट् + डीप् (2) नदिट् + डीप्
 (3) नद् + डीप् (4) नदट् + डीप्

112. इंगितसिद्धांतस्य प्रस्तावकः कः?
 (1) न्यावर महोदयः (2) प्लेटोमहोदयः
 (3) हेनरीस्वीटमहाभागः (4) डॉ. राये महोदयः
113. अधोलिखितेषु वर्णेषु तादृशं विकल्पं चिन्वन्तु यस्मिन् विकल्पे सर्वे वर्णाः संवाराः नादाः घोषाः यत्नेषु आंयान्ति —
 (1) ह व झ फ द (2) य ज ण घ ड
 (3) र ङ ठ प ढ (4) ह ज थ घ ड
114. दधिशब्दस्य 'दधनि' इति रूपं भवति —
 (1) प्रथम-द्विवचने (2) द्वितीया-द्विवचने
 (3) द्वितीया-बहुवचने (4) सप्तमी-एकवचने
115. 'अन्तरा' अव्ययस्य प्रयोगे का विभक्तिः प्रयुज्यते —
 (1) प्रथमा (2) द्वितीया
 (3) चतुर्थी (4) पंचमी
116. शब्दरूप — दृष्ट्या अनुचितं विकल्पं स्यात् —
 (1) मनसि — प्रथमा विभक्ति-द्विवचनम् (2) आत्मनः — द्वितीया विभक्ति-बहुवचनम्
 (3) तस्यै — चतुर्थी विभक्ति-एकवचनम् (4) मातरि — सप्तमी विभक्ति-एकवचनम्
117. 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि' कस्य काव्यलक्षणम्?
 (1) आनन्दवर्धनस्य (2) मम्मटस्य
 (3) विश्वनाथस्य (4) अभिनवगुप्तस्य
118. समस्तपद-विग्रह-दृष्ट्या किमनुचितं वर्तते —
 (1) कद्रथः — कुत्सितो रथः। (2) पारदृष्ट्वा — पारं दृष्टवान् इति।
 (3) पूर्ववैयाकरणाः — पूर्वः च ते वैयाकरणाः। (4) आस्वाद्यतोया — आस्वाद्यं तोयं यस्याः सा।
119. 'यावज्जीवं सुखं जीवेन्नास्ति मृत्योरगोचरः' कस्य सिद्धांतः?
 (1) सांख्ययोगस्य (2) बादरायणस्य
 (3) औलूक्यस्य (4) लोकायतदर्शनस्य
120. यदा 'जॉन' निजासफलतायै उत्तरदायित्वं प्रश्नपत्रस्य काठिन्यं स्वीकरोति तत्समये सः निम्नलिखितेषु कां संयोजनप्रक्रियां प्रयोगकुर्वन्नास्ति —
 (1) प्रक्षेपणम् (2) तदात्मीकरणम्
 (3) युक्तीकरणम् (4) क्षतिपूर्तिः
121. कः गतिविधिः प्रगतसंगठनात्मकप्रतिमानस्य संरचनायाः प्रथमचरणस्य गतिविधिर्नास्ति —
 (1) पाठोद्देश्यस्पष्टकरणम् (2) सामग्रीप्रस्तुतीकरणम्
 (3) अग्रिमसंगठकस्य प्रस्तुतीकरणम् (4) प्रासंगिकज्ञानविषयकी जागरूकतावर्धनम्
122. भरतस्य मते मत्तवारणी कुत्र कर्तव्या?
 (1) रंगपीठस्योपरि (2) नेपथ्यगृहे
 (3) रंगशीर्षस्य पार्श्वे (4) रंगपीठस्य पार्श्वे
123. 'हन्' धातोः लङ्लकारस्य मध्यमपुरुष-बहुवचने रूपम् अस्ति —
 (1) अहन् (2) अहनम्
 (3) अहतम् (4) अहत
124. सर्वशब्दस्य स्त्रीलिङ्गे षष्ठीद्विवचने रूपं भवति —
 (1) सर्वाभ्याम् (2) सर्वायोः
 (3) सर्वयोः (4) सर्वोः
125. 'र्' वर्ण स्योच्चारणस्थानमस्ति —
 (1) कण्ठः (2) तालु.
 (3) ओष्ठौ (4) मूर्धा

126. सोवियतभूमिनेहरू पुरस्कारेण सम्मानितः राजस्थानस्य कविरस्ति —
 (1) हरिरामाचार्यः (2) पद्मशास्त्री
 (3) अम्बिकादत्त व्यासः (4) देवर्षि कलानाथशास्त्री
127. 'मुहूर्तं ज्वलितं श्रेयो न च धूमायितं।' इत्यत्र रिक्त स्थानपूरणाय उचिताव्ययं विचिनुत —
 (1) पुनः (2) चिरम्
 (3) किल (4) खलु
128. अव्ययं चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिः कर्तव्या —
 "काव्यामृतरसास्वादः संगमः सुजनैः।"
 (1) चिरम् (2) पुरा
 (3) सह (4) विना
129. 'मधुच्छन्दा' इति गीति माध्यमेन मातृभूभारतेः वन्दनां कः कृतवान्?
 (1) पं. मोहनलाल पाण्डेयः (2) डॉ. शिवसागरः त्रिपाठी
 (3) हरिरामाचार्यः (4) भट्ट मथुरानाथ शास्त्री
130. भट्टमथुरानाथशास्त्रिणः रचना वर्तते —
 (1) दशकण्ठवधम् (2) गोविन्दवैभवम्
 (3) पूर्वशाकुन्तलम् (4) कल्पलता
131. 'पद्मिनी' रचनायाः रचनाकारो वर्तते —
 (1) प्रो. हरिरामाचार्यः (2) पं. मोहनलालशर्मा 'पाण्डेयः'
 (3) पं. पद्म शास्त्री (4) डॉ. शिवसागर त्रिपाठी
132. यत्र कारणस्य भावः किन्तु कार्यस्याभावः भवति तत्र कः अलंकारः?
 (1) विभावना (2) अर्थान्तरन्यासः
 (3) विशेषोक्तिः (4) व्यतिरेक
133. अथर्ववेदसम्बद्धं ब्राह्मणमस्ति —
 (1) ऐतरेयब्राह्मणम् (2) शतपथब्राह्मणम्
 (3) पंचविशब्राह्मणम् (4) गोपथब्राह्मणम्
134. 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।' रेखांकित पदे प्रत्ययः अस्ति —
 (1) पुल्लिङ्गे ईयसुन् (2) पुल्लिङ्गे इष्टन्
 (3) स्त्रीलिङ्गे ईयसुन् (4) स्त्रीलिङ्गे इष्टन्
135. 'याच्' धातोः विधिलिङ्लकारे प्रथमपुरुष-बहुवचने आत्मनेपदे रूपमस्ति —
 (1) ययाचुः (2) याचेध्वम्
 (3) याचन्ताम् (4) याचेरन्
136. मन्दाक्रान्तावृत्ते प्रतिचरणं क्रमशः यतिर्भवति —
 (1) षड्भिः चतुर्भिः सप्तभिश्च वर्णैः (2) चतुर्भिः सप्तभिश्च वर्णैः
 (3) षड्भिः एकादशभिश्च वर्णैः (4) दशभिः सप्तभिश्च वर्णैः
137. अधोलिखितासु का सूक्तिः मेघूदतस्य?
 (1) प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता। (2) पदं हि सर्वत्र गुणैर्निधीयते।
 (3) किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्। (4) रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय।
138. टि. गणपतिशास्त्री कस्य महाकविः नाटकानि प्राप्तवान्?
 (1) महाकवि-भासस्य (2) महाकवि-भवभूतेः
 (3) महाकवि-कालिदासस्य (4) महाकवि-हर्षवर्धनस्य
139. 'एङि पररूपम्' सूत्रस्योदाहरणं किमस्ति?
 (1) उपैति (2) उपेतः
 (3) शकन्धुः (4) उपोषति
140. 'जटायुः प्राणं त्यक्तवान्' रेखाङ्किते शुद्धपदं स्यात् —
 (1) प्राणाः (2) प्राणानि
 (3) प्राणान् (4) प्राणः

141. आई.सी.टी. इत्यस्याशयः कः —
 (1) इन्फॉर्मेशन कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी (2) इन्फॉर्मेशन कम्प्यूटर तकनीकः
 (3) इन्फॉर्मेशन कम्प्युनिकेशन्स तकनीकः (4) इन्फॉर्मेशन कम्प्युनिकेशन टेक्नोलॉजी
142. 'भवभूतिः' सन्दर्भे सम्यक् कथनं नास्ति —
 (1) पितुर्नाम नीलकण्ठः मातुर्नाम जतुकर्णी वर्तते।
 (2) उत्तररामचरितस्य कथासूत्रं रामायणस्य उत्तरकाण्डं विद्यते।
 (3) महावीरचरिते प्रधानरूपेण भगवतः हनुमतः चित्रणं वर्तते।
 (4) भवभूतिः वस्तुतः शिखरिणी छन्दसि प्रवीणः आसीत्।
143. एषु कतमा व्यवस्था उपागमस्य विशेषता अस्ति/सन्ति —
 (अ) व्यवस्था प्रणाली उपागमेन एकं निश्चितं कार्यं सम्पादितव्यम्
 (ब) अस्या बहवः घटकाः भवन्ति
 (स) व्यवस्थायाः घटकाः परस्पराश्रिताः भवन्ति
 अनेनाधारेण उचितमुत्तरं दातव्यम् —
 (1) अ, ब, स (2) अ, ब
 (3) ब, स (4) अ, स
144. सांख्यदर्शनानुसारं महतः जायते —
 (1) प्रकृतिः (2) अहंकारः
 (3) षोडशकगणः (4) पञ्चभूतानि
145. कस्यापि कक्षायाः विद्यार्थिनः श्यामपटे शब्ददृश्यतायां न्यूनता—अनुभवं कुर्वन्ति। संप्रेषणे एषा बाधा कथ्यते —
 (1) भाषा—बाधा (2) भौतिक बाधा
 (3) मनोवैज्ञानिक बाधा (4) पृष्ठभूमिबाधा
146. प्रत्यक्षमेकमेव प्रमाणमिति स्वीकुर्वन्ति —
 (1) सांख्याः (2) चार्वाकाः
 (3) नैयायिकाः (4) मीमांसकाः
147. 'न योत्स्य इति गोविन्दमुक्त्वा बभूव ह।' इति वाक्ये रिक्तस्थानं पूरयत —
 (1) चिरम् (2) किल
 (3) तूष्णीम् (4) सहसा
148. 'सेवाधर्मः' परमगहनो योगिनामप्यगम्यः' इति वचनं प्राप्यते —
 (1) किरातार्जुनीये (2) नीतिशतके
 (3) शिशुपालवधे (4) उत्तररामचरिते
149. अधोलिखितेषु प्रतिसर्गं सर्गान्तश्लोकेषु श्रीशब्दप्रयोगो वर्तते —
 (1) किरातार्जुनीयमहाकाव्ये (2) शिशुपालवधमहाकाव्ये
 (3) नैषधीयचरितमहाकाव्ये (4) रघुवंशमहाकाव्ये
150. 'नदी' शब्दस्य षष्ठीबहुवचने रूपमस्ति —
 (1) नदीनाम् (2) नदिनाम्
 (3) नद्याम् (4) नदीणाम्

रफ कार्य के लिये जगह

